सुरई इकोटूरज़्मि ज़ोन में जंगल सफारी का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

29 दसिंबर, 2021 को मुख्यमंत्री पुष्कर सहि धामी ने खटीमा में सुरई इकोटूरज़्मि ज़ोन में जंगल सफारी का शुभारंभ कयिा। इस दौरान उन्होंने जंगल सफारी भी की। सुरई इकोटूरज़्मि ज़ोन प्रदेश का पहला ऐसा इकोटूरज़्मि ज़ोन है, जहाँ पर्यटक जंगल सफारी का लुत्फ उठा सकेंगे।

प्रमुख बदिु

- मुख्यमंत्री ने कहा जैव ववििधिता और वन्य जीवों की मौज़ूदगी वाले तराई पूर्वी वन प्रभाग को योजनाबद्ध तरीके से वकिसति कर उसके सुरई वन क्षेत्र को इको टूरज़्मि ज़ोन के रूप में तब्दील कयिा जाएगा, ताकयिहाँ के प्राकृतकि सौंदर्य का उपयोग स्थानीय लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोज़गार मुहैया करवाने में कयिा जा सके।
- मुख्यमंत्री ने कहा कविन और वन्य जीवों को आर्थकिी से जोड़ते हुए स्थानीय लोगों को स्वरोज़गार के अवसर मुहैया करवाने के उद्देश्य से 1 अक्टूबर, 2021 को 'सीएम यंग ईकोप्रन्यिोर योजना' देहरादून में लॉन्च की गई थी।
- इस योजना का क्रयिान्वयन शुरू कर दयिा गया है। शुरुआत के तौर पर खटीमा में सुरई इकोटूरज़्मि ज़ोन वकिसति कर उसमें जंगल सफारी प्रारंभ की जा रही है। ग्राम समतियिों के जरयि इस योजना का संचालन कयिा जाएगा।
- जंगल सफारी शुरू होने से जप्सिी मालकि, चालक और गाइड के रूप में स्थानीय युवाओं को रोज़गार मलिगा। इसके लयि वन वभिाग ने 30 जप्सिी संचालकों के साथ करार कयिा है। गाइड की भूमकिा का सही नर्विहन करने के लयि कई युवकों को वन वभिाग इसका प्रशक्षिण दे चुका है।
- सुरई इकोटूरज़्मि ज़ोन में पर्यटकों की आमद से स्थानीय लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोज़गार मलिगा। पूरे प्रदेश में इस योजना को वस्तिार दयिा जाएगा।
- उन्होंने कहा कसिीएम यंग इको प्रन्यिोर स्कीम के अंतर्गत नेचर गाइड, ड्रोन पायलट, वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर, इकोटूरज़्मि, वन्यजीव टूरज़्मि आधारति कौशल को उद्यम में परविर्तति कयिा जाएगा।
- सुरई वन क्षेत्र के वन मार्गों को जैव ववििधिता ट्रेल के रूप में वकिसति कयिा गया है। यह क्षेत्र 180 वर्ग कलिोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है, जसिके सीमा में पूर्व दशिा में शारदा सागर डैम, पश्चमि में खटीमा नगर, उत्तर में मेलाघाट रोड तथा दक्षणि में पीलीभीत टाइगर रज़िर्व क्षेत्र सटा हुआ है।
- प्राकृतकि रूप से बेहद खूबसूरत इस वन क्षेत्र में साल के वृक्षों, चारागाह और पानी की प्रचुर मात्रा है। इन तमाम वजहों से यहाँ बाघों की आवाजाही बनी रहती है। इसके अलावा स्तनधारी जानवरों की लगभग 125, पक्षयिों की 150 से अधकि और सरीसृपों को तकरीबन 20 प्रजातयिाँ भी इस वन क्षेत्र में पाई जाती हैं।
- यहाँ के वन मार्गों को वकिसति कर लगभग 40 कलिोमीटर का ट्रेल जंगल सफारी के लयि तैयार कर लयिा गया है, जसिमें जप्सिी में बैठकर पर्यटक दुर्लभ वन्यजीवों (रॉयल बंगाल टाइगर, भालू, चीतल, सांभर, काकड़, पैंगोलनि, कोरल साँप, पांडा आदि) का दीदार करने के साथ ही सुरम्य जंगलों, घास के मैदानों, प्राचीन शारदा नहर और सुंदर तालाबों का लुत्फ उठा सकेंगे।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/jungle-safari-launched-in-surai-ecotourism-zone